सुविचार

जीवन आईना है, उसमें आपका चेहरा नजर आता है। दोस्त बनकर रहिए। जिंदगी दोस्ती ही दिखलाई देगी।
ओशो

कुल पृष्ठ 18+4=22 | मूल्य ₹ 3.00 (निःशुल्क डीबी स्टार सहित)

आप पढ़ रहे हैं देश का नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

झारखंड

dainikbhaskar.com | रांची | शुक्रवार, 10 अप्रैल, 2015, वैशाख कृष्ण पक्ष-6, 2072

सेंसेक्स	28885.21	पिछला 28707.75
सोना	25,900.00	पिछला 26,000.00
चांदी	39,000.00	पिछला 39,000.00
डॉलर	62.24	पिछला 62.24
यूरो	67.01	पिछला 67.54

पहले गुड न्यूज

टाटा स्काई का 8 रुपए का रिचार्ज कूपन लॉन्च

मुंबई| टाटा स्काई ने 8 रुपए का रिचार्ज कूपन लॉन्च किया है। इससे एक दिन के लिए टाटा स्काई की सर्विस ली जा सकेगी। यह डीटीएच रिचार्ज का सबसे छोटा कूपन है। ऑफर में डीएक्टिवेटेड कस्टमर्स भी शामिल हैं।

IPL-8 : नतीजा

चेन्नई सुपरकिंग्स ने दिल्ली को 1 रन से हराया

मैच विनर : आशीष नेहरा (3 विकेट)

आज का मैच
किंग्स इलेवन Vs राजस्थान रॉयल्स
(रात 8.00 बजे से)

न्यूज इनबॉक्स

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह आज रांची आएंगे

रांची| भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह शुक्रवार को रांची आएंगे। शनिवार को कार्यकर्ता समागम को संबोधित करेंगे। फिर प्रदेश पदाधिकारियों संग बैठक में सदस्यता अभियान की समीक्षा करेंगे।

लिफ्ट में 5 मिनट तक फंसे रहे गृहमंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली| गृहमंत्री राजनाथ सिंह लिफ्ट में फंस गए। वे शौर्य दिवस के मौके पर सीआरपीएफ हेडऑफिस में एक कार्यक्रम में आए थे। 5 मिनट के बाद उन्हें लिफ्ट की छत के रास्ते निकाला ।

शियोमी ने 12 घंटे के भीतर 2.12 लाख फोन बेचे

बीजिंग|चाइना स्मार्टफोन कंपनी शियोमी ने बुधवार को 12 घंटे के अंदर अपने 2.12 लाख स्मार्टफोन बेचे है। इसके लिए उसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। एशिया के सात देशों में इस स्मार्टफोन की बिक्री हुई थी।

बीएसएफ को मिले दो एम आई-17 हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली|बीएसएफ को दो अत्याधुनिक एम आई-17 हेलीकॉप्टर मिले हैं। साल के अंत तक बीएसएफ को इस तरह के 6 और हेलीकॉप्टर दिए जाएंगे। साथ ही सरकार पायलटों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है।

रिलायंस ने लॉन्च किया वाट्सएप की तरह जीयो चैट

नई दिल्ली|रिलायंस ने वाट्सएप की तरह जीयो चैट को लॉन्च किया है। यह एंड्रायड और ओएस फ्लेटफॉर्म पर भी चलेगा। कंपनी मुफ्त में एसएमएस करने का ऑफर भी दे रही है।

1,000 रु. न्यूनतम मासिक पेंशन योजना स्थगित

नई दिल्ली| ईपीएफओ ने 1,000 रुपए न्यूनतम मासिक पेंशन योजना इस महीने से स्थगित कर दी है। फैसले से 32 लाख पेंशनर प्रभावित होंगे। अब पुरानी दर से पेंशन मिलेगी। 8 माह पहले पेंशन एक हजार की गई थी।

जूनियर इंजीनियर की मुख्य परीक्षा स्थगित

रांची |जेपीएससी ने जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्ति के लिए 17 मई को होने वाली मुख्य परीक्षा स्थगित कर दी है। जेपीएससी चेयरमैन चितरंजन ने बताया कि पीसी पास अयोग्य अभ्यर्थियों का रिजल्ट रद्द कर दिया गया है।

एनडीए की परीक्षा 19 अप्रैल को होगी

रांची |यूपीएससी द्वारा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी व नौसेना अकादमी की परीक्षा 19 अप्रैल को होगी। परीक्षा दो पालियों सुबह 10 बजे व दोपहर बाद 2 बजे से होगी। रांची में 24 केंद्र बनाए गए हैं।

विडंबना | उत्साही युवाओं की टोली 'मुक्ति' ने डेढ़ महीने पहले अंतिम संस्कार की अनुमति के लिए दिया आवेदन, प्रशासन को फुर्सत ही नहीं

लकड़ी की आस में मुक्ति की राह ताक रही हैं लावारिस लाशें

सिटी रिपोर्टर| रांची

कहीं किसी मासूम की किलकारी पापा की रट लगा-लगा कर आंगन में चुप हो गई होगी। कहीं बूढ़ी मां की राह तकती आंखों से अविरल बही अश्रुधारा गालों पर आकर सूख रही होगी। कहीं मांग में सिंदूर लगाते हुए कोई पत्नी दर्पण देख ठिठक जाती होगी। मगर, इन सबसे बेखबर दर्जनों शव रिम्स के मुर्दाघर में लावारिस पड़े हैं। सड़-गल रहे हैं। उनका अंतिम संस्कार नहीं हो पा रहा है। अगर ऐसा हो जाता तो उनकी आत्मा अपने घर-आंगन जाकर अपने बच्चों को एक स्नेहिल थपकी हौले से जरूर दे जाती।

ऐसे 40 शव अपनी मुक्ति का महीनों से इंतजार कर रहे हैं। शहर की संस्था मुक्ति इसके लिए तैयार भी है। लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद में है। लगता है कि इसकी अनुमति देने में अभी एकाध माह और लगेगा। संस्था ने इस संबंध में नगर निगम के सीईओ और डीसी को 24 फरवरी को आवेदन दिया था। लेकिन न तो शवों के अंतिम संस्कार की अनुमति मिली और न ही इन लावारिसों की चिता सजाने के लिए लकड़ियां ही। इस डेढ़ माह के दौरान मुक्ति के सदस्य दोनों दफ्तरों का दर्जनों बार चक्कर लगा चुके हैं। हर बार यही जवाब मिलता है कि सब कुछ प्रोसेस में है। वहीं रिम्स मुर्दाघर में लावारिस शवों की संख्या बढ़ती जा रही है।

अंतिम संस्कार के बिना जीवन अपूर्ण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अंतिम संस्कार के बिना जीवन की संपूर्णता नहीं मानी जाती। लेकिन इन अभागे 40 लोगों के घरवालों को इनकी मौत का भी पता नहीं है। जब मुक्ति जैसी संस्था परिवार बन कर सामने आता है, तो इनकी मुक्ति में प्रशासन अड़ंगा बन कर खड़ा हो जाता है।

मुर्दाघर में एक के ऊपर एक पड़े हैं शव

रिम्स के मुर्दाघर में 20 से 23 शव ठीक से रखने की व्यवस्था है। लेकिन इनकी संख्या 40 हो गई है। जाहिर है, शवों को एक के ऊपर एक रख दिया गया है। साथ ही यहां कूलिंग सिस्टम भी ठीक से काम नहीं कर रहा है। ऐसी स्थिति में इन शवों की दुर्गति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। यदि इनके किसी अपने को जानकारी मिल जाती तो क्या शवों को ऐसे रखे जाने पर वे सहमत होते।

फाइल बढ़ गई है

डेढ़ माह पहले अनुमति मांगी थी। तब से विभागों के चक्कर लगा रहा हूं। लेकिन अब तक न तो अनुमति मिली और न ही लकड़ियां। **प्रवीण लोहिया,** मुक्ति

मुक्ति संस्था की फाइल आगे बढ़ गई है। जल्द ही उन्हें लकड़ी व तेल उपलब्ध कराया जाएगा। **ओपी शाह,** उप नगर आयुक्त

मुर्दा कौन, वो या हम ?

भास्कर हस्तक्षेप
अमरकांत

किसी ने ठीक ही कहा है कि जिस शहर में लाशें लावारिस हों, वह शहर जिंदा नहीं हो सकता। हमारे शहर में लावारिस लाशों का पुराना इतिहास है। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स के मुर्दाघर में लावारिस शव महीनों पड़े रहते हैं। अक्सर मुर्दाघर का फ्रीजर खराब। ऐसे में इन लावारिसों की दुर्गति की कल्पना भर से मन सिहर उठता है। दुर्गंध ऐसी कि मुर्दाघर के आसपास खड़ा रहना भी मुश्किल। लेकिन जिम्मेवार बेपरवाह। संवेदना मानों मर चुकी है, जिंदा लाशें घूम रही हैं। यदाकदा ऐसी खबरें मीडिया में आ गईं, तो कुछ लावारिसों को मुक्ति नसीब हुई, नहीं तो पड़े-पड़े सड़ने को अभिशप्त। उत्साही युवाओं की एक टोली ने जब इन लावारिसों के अंतिम संस्कार का बीड़ा उठाया, तब भी प्रशासन की तंद्रा नहीं टूट रही। ऐसे में संशय होता है कि मुर्दा कौन ? वो जो मुर्दाघर में लेटे हैं, या हम जो उनको इस हाल में रखकर बेपरवाह हैं ? आखिर कब टूटेगी प्रशासन की तंद्रा, कौन जगाएगा उन्हें ?

गुड न्यूज | डीसी के साथ निजी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक में हुआ फैसला

निजी स्कूलों में री-एडमिशन और विकास शुल्क पर रोक

- स्कूल वाहनों में लगाना होगा जीपीएस, सीसीटीवी
- 25 अप्रैल से होगी स्कूल बसों की जांच
- छात्रों के बाइक लेकर स्कूल आने पर रोक

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

निजी स्कूल री-एडमिशन और विकास शुल्क नहीं वसूलेंगे। यह फैसला गुरुवार को डीसी मनोज कुमार की अध्यक्षता में हुई निजी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक में लिया गया। बैठक में कहा गया कि आरटीई एक्ट 13 (1) के अनुसार री-एडमिशन और विकास शुल्क नहीं वसूला जा सकता है। साथ ही सभी स्कूलों को हर वर्ष ऑडिट रिपोर्ट जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करनी होगी।

बैठक में डीसी ने कहा कि जिला नोडल अधिकारी सभी स्कूलों से शुल्क वृद्धि, विकास शुल्क, वार्षिक शुल्क, परिवहन शुल्क, पुस्तक/ड्रेस/स्टेशनरी की बिक्री आदि से संबंधित सूचना प्राप्त कर एक सप्ताह के अंदर जिला प्रशासन को सूचित करेंगे। हर तीन महीने में समीक्षा बैठक होगी। इसमें इन निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा और छात्रहित में भविष्य की कार्ययोजना पर विचार किया जाएगा।

बैठक में अपर समाहर्ता शैलेंद्र कुमार लाल, जिला परिवहन पदाधिकारी नागेंद्र पासवान, जिला शिक्षा अधीक्षक-सह जिला शिक्षा पदाधिकारी- सह जिला नोडल पदाधिकारी जयंत कुमार मिश्र, अग्निशमन पदाधिकारी सहित जिले के सभी सीबीएसई और आईसीएसई संबद्धता प्राप्त विद्यालयों के प्राचार्य/प्रबंधक मौजूद थे।

अनन्या की मौत की होगी जांच : पढ़ें सिटी फ्रंट पेज

स्कूल हर वर्ष ऑडिट रिपोर्ट जिला शिक्षा अधीक्षक व जिला शिक्षा अधिकारी को देंगे

बैठक में डीसी के साथ विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य और अधिकारीगण।

स्कूल में किताबें बेचीं तो मान्यता होगी रद्द

अब कोई भी स्कूल अभिभावकों को स्कूल परिसर या किसी खास दुकान से किताब, ड्रेस, स्टेशनरी आदि खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। जिन स्कूलों में काउंटर बनाकर इनकी बिक्री की जा रही है, उनकी मान्यता रद्द करने संबंधी कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने कहा कि सभी स्कूल कक्षावार पुस्तकों की सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दें। रिजल्ट के साथ पुस्तकों की सूची भी अभिभावकों को उपलब्ध करा दें।

अभिभावकों की सहमति के बाद बढ़ाएं फीस

स्कूल प्रबंधन शिक्षक-अभिभावकों की बैठक बुलाकर शुल्क वृद्धि पर सहमति से फैसला ले सकते हैं। वह भी 10-15 फीसदी से अधिक नहीं होनी चाहिए। सरकार भी डीसी की अध्यक्षता में शुल्क निर्धारण समिति गठित कर रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी इसके सदस्य सचिव होंगे। सीबीएसई और आईसीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्राचार्य या प्रतिनिधि और अभिभावक संघ के प्रतिनिधि इसके सदस्य होंगे।

नो प्रॉफिट, नो लॉस पर चलाना होगा स्कूल बस

डीसी ने कहा कि हर स्कूल वाहन में प्राथमिक चिकित्सा किट, लोअर पेडस्टल, खिड़कियों में जाली, स्वस्थ एवं दक्ष चालक और सहचालक अनिवार्य है। वाहन में सीट से अधिक विद्यार्थी नहीं बैठाएंगे। नो प्रॉफिट, नो लॉस के सिद्धांत पर शुल्क तय करेंगे। हर स्कूल में एक शिक्षक को परिवहन प्रभारी बनाया जाएगा, जो मॉनिटरिंग करेगा। स्कूल प्रबंधन द्वारा मई में आयोजित प्रशिक्षक कार्यक्रम में जिला परिवहन कार्यालय के विशेषज्ञ चालकों और सहचालकों को प्रशिक्षित करेंगे। सभी स्कूल प्रदूषण नियंत्रण पर्षद से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेंगे।

कैपिटेशन शुल्क लेने पर 10 गुणा जुर्माना

आरटीई एक्ट 13 (1) एवं (2) के अनुसार कोई भी स्कूल नामांकन के समय किसी भी प्रकार का कैपिटेशन शुल्क नहीं लेगा। ऐसा करने वाले स्कूलों के खिलाफ शुल्क का 10 गुणा चार्ज करते हुए उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरटीई एक्ट 16 के अनुसार कोई भी विद्यालय आठवीं कक्षा तक किसी विद्यार्थी को न ही अनुतीर्ण करेगा और न ही उसे पूर्व की कक्षा में रहने के लिए बाध्य कर सकता है। छात्रों को स्कूल से निकाल भी नहीं सकते। इसका उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

भास्कर इम्पैक्ट

निजी स्कूलों की मनमानी और लगातार हो रही फीस वृद्धि पर **दैनिक भास्कर** ने अभियान चलाया। आखिरकार बैठक में अभिभावकों की जीत हुई।

एडमिशन के लिए अभिभावकों का टेस्ट नहीं लें

आरटीई एक्ट 17 (1) एवं (2) एवं झारखंड सरकार के ज्ञापांक 2627 दिनांक 27.10.2010 के आलोक में स्कूल के किसी भी विद्यार्थी को शारीरिक या मानसिक दंड नहीं दिया जा सकता है। ऐसा करने पर संबंधित व्यक्ति और प्रबंधन के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, प्रारंभिक कक्षाओं में नामांकन से पूर्व छात्र या अभिभावकों का टेस्ट भी नहीं लिया जा सकता।

मंगला आरती तक रात रही गुलाम...

वाराणसी| बीते 91 साल के सफर में पहली बार बनारस के संकटमोचन मंदिर के संगीत समारोह में कोई पाकिस्तानी फनकार आया। बनारस की रवायत-ओ-तहजीब गुलाम अली को खींच लाई। बुधवार से शुरू हुए 92वें समारोह में उन्हें मंच पर आते-आते रात के एक बज गए। पर लोग मंदिर के आंगन से टस से मस न हुए। जब तक सुरों का सफर चला, उनके हमसफर बने रहे। शुरुआत में गुलाम अली ने ठुमरी सुनाई, 'तेरे बिना लागे न जिया...।' यह ठुमरी 40 साल पहले बनारस की मशहूर गायिका सिद्धेश्वरी देवी गाया करती थीं। फिर सिलसिला चला गजलों का। कुछ खुद से और कुछ फरमाइश पर। आखिर में, सुनने और सुनाने वाले तभी उठे, जब गुरुवार तड़के मंगला आरती का वक्त हो गया।

सत्यम घोटाला | दोनों भाइयों समेत सभी 10 आरोपी दोषी

राजू को सात साल की जेल 5.5 करोड़ रु. का जुर्माना

- निवेशकों के 14 हजार करोड़ रुपए डूबे थे तब
- राजू ने खुद गड़बड़ी का खुलासा किया था

एजेंसी|हैदराबाद

कॉर्पोरेट जगत को हिलाकर रख देने वाले 14 हजार करोड़ रु. के सत्यम घोटाले में छह साल बाद फैसला आ ही गया। कंपनी के तब के मालिक बी. रामालिंगा राजू को 7 साल जेल की सजा हुई है। साथ ही 5.5 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

राजू के भाई बी. रामा राजू समेत बाकी नौ आरोपियों को भी 7-7 साल की सजा दी गई है। जुर्माने की रकम 25 लाख रुपए तक है।

यह देश का सबसे बड़ा अकाउंटिंग घोटाला था। कॉर्पोरेट जगत को हिला देने वाले इस घोटाले का खुलासा खुद रामालिंगा राजू ने 7 जनवरी 2009 को किया था।

शेष पेज 17 पर

छह साल पहले राजू ने कहा था- 'हमें नहीं पता था कि शेर का निवाला बने बिना उस पर से उतरा कैसे जाए...'

अब भी ठाठ बाकी : फैसले से पहले कोर्ट पहुंचे रामालिंगा राजू। कार का दरवाजा खोलने के लिए दो लोग मौजूद थे।

राजू दो महीने के भीतर हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती दे सकते हैं। वहां भी उनके खिलाफ फैसला हुआ तो सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं।

कॉर्पोरेट जगत में बेईमानी का दूसरा बड़ा मामला

- **राजू और उनके भाई धारा 409 (विश्वासघात), 120-बी (साजिश) और 420 (धोखाधड़ी) के साथ अन्य धाराओं में दोषी।**

23 साल पहले हर्षद मेहता केस : मेहता ने 1992 में जनवरी से अप्रैल के बीच 90 कंपनियों के 28 लाख शेयर खरीदे। फिर बेच दिए। बाजार का 1 लाख करोड़ डूब गया। मेहता पर 27 केस चले। एक में दोषी ठहराए गए। 2001 में हिरासत में ही मौत हो गई।

लीना मंगत ने की थी पहली शिकायत

सत्यम के खिलाफ सिकंदराबाद की लीना मंगत ने पहली शिकायत दर्ज कराई थी। सीबी-सीआईडी ने जनवरी 2009 को केस दर्ज किया था। लीना ने कहा था कि उन्होंने रिटायरमेंट पर मिले पैसे में से 19 हजार रुपए सत्यम में लगाए थे। लेकिन कंपनी की गड़बड़ियों के कारण डूब गए।

भास्कर ख़ास | देश में पहली बार अहमदाबाद के डॉक्टरों ने ईजाद किया हार्ट वॉल्व बदलने का नया तरीका

सीने में छोटा सा छेद किया, और बदल दिया वॉल्व

समीर राजपूत |अहमदाबाद

खराब हो चुके दिल के वॉल्व को बदलने के लिए अभी ओपन हार्ट सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है। या फिर ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) प्रोसीजर इस्तेमाल में लाया जाता है। टीएवीआर में जांघ या फिर कंधों से गुजरने वाली मुख्य नसों (आर्टरी) के जरिए आर्टिफिशियल वॉल्व को दिल तक पहुंचाया जाता है। लेकिन इसमे कई बार उम्र और आर्टरियों में ब्लॉकेज की समस्या आड़े आ जाती है। ऐसे में ओपन हार्ट सर्जरी का ही विकल्प बचता है। पर अहमदाबाद के डॉक्टरों ने टीवीएआर प्रोसीजर में थोड़ा बदलाव करके वॉल्व बदलने का नया और आसान तरीका खोजा है।

82 साल के मरीज को मिली नई जिंदगी

अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. धीरेन शाह के मुताबिक, इस केस में 82 साल के मरीज का वॉल्व बदलना था। उसके दिल की छह आर्टरियों में ब्लॉकेज था। इसलिए जांघ या कंधे से गुजरने वाली मुख्य नसों से आर्टिफिशियल वॉल्व को दिल तक नहीं पहुंचा सकते थे। मरीज के फेफड़े-गुर्दे भी कमजोर थे। लिहाजा, ओपन हॉर्ट सर्जरी में भी जोखिम था। इसलिए ऑपरेशन करने वाले डॉ. मिलन चग और उनकी टीम ने प्रोसीजर बदलते हुए मरीज के सीने पर उस जगह दो सेंटीमीटर का छेद किया, जहां दिल का ऊपरी हिस्सा (अयोटा) होता है। इसी के जरिए शरीर में ब्लड सप्लाई होता है। अयोटा से ट्रांसकैथेटर को गुजारकर वॉल्व को दिल तक पहुंचाया। फिर बैलून फुला कर वॉल्व बदल दिया। देश में पहली बार इस तरीके से वॉल्व बदला गया है। यहां 20 फीसदी ओपन हार्ट सर्जरी केवल खराब वॉल्व बदलने के लिए होती हैं।

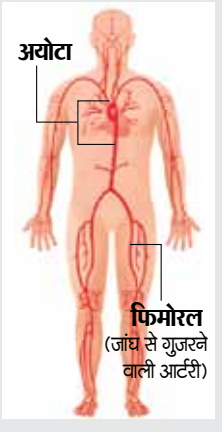

बिना ओपन हार्ट सर्जरी के ही ऊपरी हिस्से से वॉल्व बदलने का देश में यह पहला मामला है।
-डॉ. समीर दाणी, कार्डियोलॉजिस्ट,अपोलो, गांधीनगर

इस तरह वॉल्व बदलने का यह नया और पहला मामला है। ऑपरेशन करने वाली टीम को बधाइयां।
-डॉ. अतुल माथुर, कार्डियोलॉजिस्ट, फोर्टिस-एस्कॉर्ट हार्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

रोमिंग पर कॉल 23% और एसएमएस 75% तक सस्ता

नई दरें एक मई से होंगी लागू, ट्राई का आदेश जारी

एजेंसी|नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने मोबाइल कंपनियों के लिए अधिकतम दर की सीमा घटा दी है। इससे रोमिंग पर कॉल करना अब 23% तक सस्ता हो जाएगा। इसी तरह लोकल एसएमएस भेजना भी 75% तक सस्ता होगा। इसके लिए सिर्फ 25 पैसे लगेंगे। एक रुपया नहीं। नई दरें एक मई से लागू होंगी।

ट्राई ने लोकल कॉल की अधिकतम दर 1 रुपए प्रति मिनट से घटाकर 80 पैसे प्रति मिनट की है। एसटीडी कॉल की अधिकतम दर 1.5 रुपए से घटाकर 1.15 रुपए प्रति मिनट तय की है। ट्राई ने पहले लोकल कॉल्स के लिए 65 पैसे और एसटीडी के लिए एक रुपया अधिकतम दर का प्रस्ताव दिया था। लेकिन कंपनियों के विरोध के चलते उसे पीछे हटना पड़ा।

नेशनल एसएमएस के लिए 1.5 रुपए नहीं बल्कि सिर्फ 38 पैसे चुकाने होंगे। लोकल एसएमएस के लिए एक रुपए की जगह 25 पैसे ही लगेंगे। रोमिंग के दौरान आने वाली कॉल पर मोबाइल उपभोक्ताओं को मौजूदा 75 की बजाय 45 पैसे प्रति मिनट अदा करने होंगे।